

SALToC Project

Title: Ālocanā (Delhi, India)

Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa Iī

OCLC: 4094931

No. 30 (Jul-Sep 2008)

TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना

त्रैमासिक

सहस्राब्दी अंक तीस
जुलाई-सितम्बर 2008

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
अरुण कमल

सहसम्पादक
आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

- सम्पादकीय : दुनिया बनाने के लिए सब चाहिए 5
- त्रिलोचन के साथ : केदारनाथ सिंह 7
- त्रिलोचन के गाँव से : रामजन्म शर्मा 11
- कविता, सुखानुभूति एवं नैतिकता : राजनाथ 15
- तमिल की स्त्री-कविता : राजश्री सी. आर. 23
- बली और उनका कलाम : शमीम हनफ़ी 28
- नई उर्दू आलोचना के संघर्ष : अली अहमद फ़ातमी 44
- शैलेय की कविताएँ 50
- अमन का राग : रोहिताश्व 54
- शमशेर की कविता : कलाओं की स्वर-संगति : मधु शर्मा 63
- निराला के तुलसीदास में रत्नावली की छवि : मधुप कुमार 69
- आलोक श्रीवास्तव की कविताएँ 73
- रेहन पर रघू : जीवन का महाकाव्यात्मक आख्यान : प्रेम शशांक 76
- रेहन पर आदमी : शहनाज़ बानो 81
- 'इसी दुनिया में कभी हरा रंग भी होता था भाई, वह कहाँ गया' : उमाशंकर चौधरी 84
- काशीनामा : कृपाशंकर चौबे 89
- रमेश प्रजापति की कविताएँ 91
- कविता क्या सम्भव है : प्रफुल्ल कोलख्यान 93
- जीवन के अनश्वर सौंदर्य की कविता : दिनेश कुमार शुक्ल 97
- कात्यायनी : कविता की एक भरोसेमंद ललकार : नीलेश रघुवंशी 101
- उम्मीद की चहचहाहटों से पटा जीवन : उपेन्द्र चौहान 105
- अपनी नजर से अपनी पुतली को समझना : शम्भु गुप्त 108

- वि-मतांतर : प्रभाकर श्रोत्रिय 112
मतांतर, पूर्वग्रह नहीं : परमानन्द श्रीवास्तव 116
रामकथा : एक पुनःपाठ : भवदेव पडिय 118
एक पत्रकार का कला-कर्म : निर्भय देवयांश 122
रंग-क्षेत्र में बीहड़ यात्रा : रणजीत साहा 125
कहानी में रचनात्मक मुठभेड़ : पल्लव 128